कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन / फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र. / जन.कार्य. / 2024 / 422 दिनांक : 06 / 02 / 2024

प्रति,
श्रीमान संपादक महोदय / ब्यूरोचीफ
ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोट :

कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय भव्य किसान मेले का समापन

● ड्रोन तकनीक प्रदर्शन, डॉग शो रहा आकर्षण का केन्द्र

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेले व तकनीकी प्रदर्शनी का भव्य समापन आज सम्पन्न हुआ। हजारों किसानों की उपस्थिति में ड्रोन तकनीक का जीवंत प्रदर्शन, अलीराजपुर के लोकनर्तकों की प्रस्तुति, डॉग शो तथा कृषि प्रदर्शनियां आकर्षण का केन्द्र रहीं।

किसान मेले के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अविनाश तिवारी ने कहा कि इस किसान मेले में कृषि नवाचारों, तकनीकों, एग्री इंजीनियरिंग, खाद, उपकरण, नये फल व फूल के बारे काफी जानकारी देखने को मिली है। पूरे विश्व में भारत फल एवं सब्जी के क्षेत्र में दूसरे स्थान पर है, पर पोस्ट हार्वेस्टिंग मे काफी कमजोर हैं। इस दिशा में मजबूती लाने के लिए कड़े कदमों को उठाने की आवश्यकता है। प्रो. तिवारी ने कहा कि हरित क्रांति से उत्पादन में तो वृद्धि हुई पर प्रोसेसिंग का क्षेत्र इससे अछूता रहा। किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचे इसलिए हमें इस ओर भी ध्यान देना होगा। हमारे देश के युवाओं को विकासशील भारत को विकसित भारत की श्रेणी में लाने के लिए गांवों में खेती के तकनीकी ज्ञान को हर किसान तक पहुंचाना होगा।

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

विशिष्ट अतिथि निदेशक अटारी, कानपुर डॉ. शान्तनु कुमार दुबे ने कहा कि 2023 में भारत ने अनाज उत्पादन में 323 मिलियन टन, दलहन उत्पादन में 28 मिलियन टन, तिलहन उत्पादन में 40 मिलियन टन के रिकार्ड उत्पादन के साथ–साथ गुणात्मक वृद्धि की है। परन्तु किसान आज भी इस जद्दोजहद में है कि आमदनी कैसे बढ़े। इसके लिये खेती में जो निवेश खुदरा मूल्य पर खरीदते है व उत्पाद होलसेल में बेचते है हमे इस प्रक्रिया को बदलना होगा ,तभी आमदनी में इजाफा होगा। इसके लिये सभी किसानों को संगठित होकर खेती करनी होगी जिससे लागत में कमी आये और आमदनी अधिक हो। खेती में हमे मूल्य संवर्धन व प्रसंस्करण विषय पर भी चिंता करने की आवश्यकता है जिसका इस किसान मेले में भलीभाति प्रदर्शन हुआ है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कृषि वि.वि. छात्र एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री वेद प्रकाश शर्मा ने जन व किसान हितैषी इस मेले की सफलता के लिये बधाई देते हुए कहा कि विकास की रेखा किसान के हल से खींची गई रेखा ही है। अन्न के उत्पादनकर्ता किसान के जीवन में मंगल लाने वाले ऐसे किसान मेले का आयोजन होते रहना चाहिए। विशिष्ट अतिथि पूर्व अध्यक्ष बीज निगम श्री महेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि वास्तव में भारत गांवों का देश है। जब इन्हें मजबूती प्रदान होगी तभी विकसित भारत की स्थापना होगी। गांवों का युवा व किसान नई तकनीकों के माध्यम से खेती कर मजबूत व स्वावलंबी बने। विशिष्ट अतिथि ग्वालियर जिलाधीश श्री अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि इस किसान मेले में खेती किसानी को तकनीकों से जोड़ने का शानदार प्रयास किया गया है। आगे भी इस प्रकार के मेले किसानों की भलाई में प्रयासरत रहेंगे यह विश्वास है।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने अन्नदाताओं और अन्नमाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस किसान मेले को सफल बनाने में सभी किसानों, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। साथ ही इस मेले को आयोजित करने में सहभागी रहे ग्वालियर प्रशासन, कृषि विभाग व फार्मटेक एशिया का भी साधुवाद किया। उन्होंने कहा इस किसान मेले की विशेषता यह रही कि इसमें आधुनिक खेती तकनीकों, उपकरणों का समागम रहा जो खेती के लिए आवश्यक होती है। हम सभी का उद्देश्य अन्नदाता को केन्द्र में रखकर खेती करना होना चाहिए। विश्वविद्यालय द्वारा श्री अन्न पर रेडियो व टेलीविजन के माध्यम 36 से अधिक व्याख्यानों का

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी
राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर
राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231
ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

प्रसारण किया जा चुका है। जल, मिट्टी की सुरक्षा हेतु नई–नई तकनीकों की खोज में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक निरंतर प्रयासरत है।

निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह ने बताया कि इस किसान मेले में देश के लगभग 15 राज्यों से 250 प्रदर्शनियों को लगाया गया जिनमें भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी, केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान(काफरी), हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय आदि ने मेले में अपने उत्पादों व तकनीकों का प्रदर्शन किया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु श्री राधेश्याम पाटीदार, श्री गोरीशंकर पाटीदार, श्री जसपाल सिंह, श्री प्रदीप सिंह, श्री संजीव कुमार रघुवंशी, श्री रघुवीर सिंह यादव, श्री प्रमोद शर्मा, श्री मनोज राठी, श्री सुनील यादव, श्री दीपक कुशवाह, उन्नत तकनीकों के अनुसंधान हेतु निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी.सिंह, कृषि वैज्ञानिक डॉ. पुनीत राठौर, डॉ. योगेन्द्र कुमार शुक्ला, डॉ. बसेडिया, डॉ. अमित कुमार यादव आई.टी.एम. विश्वविद्यालय, डॉ. रशिम शुक्ला, श्री हेमांग बक्शी, एग्रीफुड टेक्नोलॉजी, लखनऊ, बॉम्बे शुगर हाइब्रिड लिमिटेड, सर्वश्रेष्ठ शोध के लिये स्नात्तकोत्तर के छात्र श्री एस.के. प्रजापति, सब्जी प्रदर्शनी में श्री रूप सिंह कुशवाह, श्री नाहर सिंह, फल प्रदर्शनी हेतु श्री शिवनारायण, श्री कर्ण सिंह जाटव, श्री प्राण सिंह जाटव, श्री नाहर सिंह कुशवाह तथा पुष्प प्रदर्शनी हेतु श्री गंगाराम कुशवाह, श्री बलराम सिंह कुशवाह आदि कई अन्य कृषक, वैज्ञानिक एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को सम्मानित किया गया। मेले में सम्मलित हुये किसानों में से श्री गोविन्द दांगी तथा गौरी शंकर पाटीदार ने अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम में निदेशक अनुसंधान सेवायें डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव श्री अनिल सक्सेना, संयुक्त संचालक श्री डी.एल. कोरी, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर डॉ. इन्दर सिंह तोमर एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर डॉ. एस.एस. तोमर भी उपस्थित रहें। समापन कार्यक्रम का संचालन डॉ. वाय.डी. मिश्रा ने किया।

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन/फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com